भारत सरकार
खान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 519
दिनांक 03.12.2025 को उत्तर देने के लिए

राज्य खनन तत्परता सूचकांक

519. श्री विजय बघेलः
श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरीः
श्री चंदन चौहानः
श्रीमती महिमा कुमारी मेवाड़ः

क्या खान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) नव-प्रवर्तित राज्य खनन तत्परता सूचकांक (एसएमआरआई) के अंतर्गत राज्य के प्रदर्शन का आकलन करने का उद्देश्य क्या है और इसके लिए कौन से संकेतक प्रयुक्त किए गए हैं;
(ख) विभिन्न खनिज संपदा श्रेणियों में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाले राज्यों का ब्यौरा क्या है और उनकी श्रेणी-क्रम में योगदान देने वाले कारक क्या हैं;
(ग) नीलामी प्रदर्शन और सतत खनन जैसे क्षेत्रों में राज्यों के बीच प्रतिस्पर्धा और सुधार को बढ़ावा देने में उक्त सूचकांक की अपेक्षित भूमिका क्या है; और
(घ) क्या सरकार का इस सूचकांक को भावी क्षमता निर्माण या राज्य, विशेषकर राजस्थान के लिए प्रोत्साहन तंत्र से जोड़ने का विचार है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कोयला और खान मंत्री
(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): राज्य खनन तत्परता सूचकांक (एसएमआरआई) का उद्देश्य देश के खनन क्षेत्र को विकसित करने में राज्य के सापेक्ष योगदान को दर्शाना, खनन विनियमन एवं प्रशासन में प्रभावशीलता का आकलन करना और राज्यों के बीच प्रतिस्पर्धात्मक भावना उत्पन्न करना है।एसएमआरआई

के तहत राज्यों के प्रदर्शन का आकलन करने के लिए उपयोग किए जाने वाले संकेतक नीलामी प्रदर्शन, खान प्रचालन, गवेषण पर बल देना एवं सतत खननहैं।

(ख): एसएमआरआई के अंतर्गत, राज्यों को उनके खनन और खनिज संसाधन क्षमता के आधार पर तीन श्रेणियों अर्थात् क (उच्च), ख (मध्यम) और ग (निम्न) में बांटा गया है। श्रेणी-वार शीर्ष तीन रैंक वाले राज्य श्रेणी क में मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात; श्रेणी ख में गोवा, उत्तर प्रदेश तथा असम; और श्रेणी ग में पंजाब, उत्तराखंड और त्रिपुराहैं।उनकी रैंकिंग में योगदान देने वाले कारकों में मुख्य रूप से खनिज ब्लॉकों की नीलामी, नीलाम किए गए ब्लॉकों का प्रचालन, संयुक्त अनुज्ञप्तियों (सीएल) की संख्या और सीएल के लिए जारी किए गए आशय पत्र (एलओआई), नीलामी की तारीख से अधिमानित बोलीदाताओं को आशय पत्र जारी करने में लगने वाला औसत समय, राष्ट्रीय भूविज्ञान डेटा रिपॉजिटरी पर भू-विज्ञान डेटा का एकीकरण, पूरी की गई गवेषण परियोजनाओं की संख्या और सतत खनन के लिए विभिन्न उपाय शामिल हैं।

(ग): एसएमआरआई की गणना के लिए चार संकेतकों में से दो संकेतक नीलामी प्रदर्शन और सतत खननहैं। इन संकेतकों में सुधार से बेहतर अंक प्राप्त होते हैं जिससे राज्यों के बीच सुधार और कुशल प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलता है।

(घ): यह सूचकांक राजस्थान राज्य सहितसभी राज्यों के लिए प्रोत्साहन तंत्र से संबंधित है। पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई) 2025-26 के तहत, तीन श्रेणियों (क, ख और ग) में से प्रत्येक में शीर्ष 3 रैंक वाले राज्यों में से प्रत्येक को 100 करोड़ रुपये के वित्तीय प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है।

*****